This question paper contains 8+4 printed pages]

Your Roll No...............

5866

LL.B./VI Term C

Paper LB-6046 : LAW OF INSOLVENCY

Time : 3 Hours *Maximum Marks* : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :-- Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :-- इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *Five* questions

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. Attempt briefly any *four* of the following : 5-5+5+5=20

(*a*) Examine the law laid down under the case of # Prithi V's. Budh Singh, AIR 1982 All. 179, relating to the test of fraudulent intention of debtor.

(*b*) Powers and duties of official receiver.

(*c*) Powers of Insolvency Court for the grant of protection order U/S-31 of PIA, 1920.

(*d*) What are the properties which are exempted from attachment and do not vest in official receiver under sec. 28 of PIA, 1920 on passing of an order of adjudication against a debtor.

(*e*) Power of Insolvency Court to arrest a debtor U/S 32 of PIA, 1920.

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

(*a*) प्रथी **बनाम** बुध सिंह (Prithi *Vs.* Budh Singh) AIR 1982 All. 179 के वाद में देनदार के कपटपूर्ण इरादे से सम्बन्धित धारित विधि का परीक्षण कीजिए।

(*b*) शासकीय रिसीवर की शक्तियाँ एवं कर्तव्य।

(*c*) प्रान्तीय दिवालियापन अधिनियम, 1920 की धारा 31 के अन्तर्गत दिवाला न्यायालय की बचाव आदेश प्रदान करने की शक्ति।

(*d*) देनदार के विरुद्ध न्यायनिर्णयन का आदेश पारित करने में कौन-कौनसी सम्पत्ति को कुर्की से छूट प्राप्त है एवं प्रान्तीय दिवालियापन अधिनियम, 1920 की धारा 28 के अन्तर्गत शासकीय रिसीवर में निहित नहीं है।

(*e*) प्रान्तीय दिवालियापन अधिनियम, 1920 की धारा 32 के अन्तर्गत दिवाला न्यायालय की देनदार को गिरफ्तार करने की शक्ति।

2. 'Rahul' is a debtor against whom an insolvency petition is filed by Ram. a creditor on 17/9/12. An order of adjudication is passed by court on 12/12/12. Before the passing of order of adjudication Rahul makes a gift of immovable property through an instrument. Rahul however, fails to apply for discharge within the specified time. The official receiver makes an application to the court for annulment of order of adjudication. Subsequently, to the cancellation of order of adjudication the gift deed executed is regd. Court makes an order for vesting of the property of Rahul in official receiver. The official receiver challenges the gift deed executed by the debtor, Rahul and seeks to declare it void. Discuss the case in light of S-28(7) and S-55 of PIA. Cite the relevant authority.

राहुल, एक देनदार है जिसके विरुद्ध 17/9/12 को राम, एक लेनदार दिवाला याचिका दाखिल करता है। 12/12/12 को न्यायालय ने न्यायनिर्णयन का आदेश पारित किया। न्यायनिर्णयन का आदेश पारित होने से पूर्व राहुल ने एक दस्तावेज के द्वारा जंगम सम्पत्ति को दान कर दिया। राहुल, तथापि निर्धारित समय में उन्मुक्त होने का आवेदन करने में असफल रहा। शासकीय रिसीवर ने न्यायालय में न्यायनिर्णयन के आदेश के बातिलीकरण की याचिका दाखिल की। न्यायनिर्णयन आदेश के रद्द होने के उपरान्त निष्पादित किये गये दान का पंजीकरण कराया गया। न्यायालय ने राहुल की सम्पत्ति को शासकीय रिसीवर में निहित करने का आदेश दिया। शासकीय रिसीवर देनदार, राहुल द्वारा निष्पादित दान को चुनौती देता है एवं चाहता है कि इसे शून्य करार दे दिया जाये। प्रान्तीय दिवालियापन अधिनियम, 1920 की धारा 28(7) एवं धारा 55 के प्रकाश में विवेचना कीजिए एवं सुसंगत वादों का हवाला दीजिए।

3. One of the grounds available to court for annuling the order of adjudication against a debtor is where it appears to the court that the debtor 'ought not to have been adjudged insolvent' U/S-35. Discuss the law relating to annulment of order of adjudication in the light of decision given in # In Re : Profulla Chandra Mitra, AIR 1973, Cal 99. What is the fate of the property of Insolvent on annulment of the order of adjudication ?

देनदार के विरुद्ध न्यायनिर्णयन के आदेश का बातिलीकरण करने के लिए न्यायालय के पास एक आधार यह भी है कि देनदार को धारा-35 के अन्तर्गत दिवालिया नहीं घोषित किया जाना चाहिए था। री : प्रफुल्ला चन्द्र मित्रा (In Re : Profulla Chandra Mitra,) AIR 1973, Cal 99 के निर्णय के प्रकाश में न्यायनिर्णयन के आदेश के बातिलीकरण से सम्बन्धित विधि की विवेचना कीजिए। न्यायनिर्णयन के आदेश के बातिलीकरण पर दिवालिये की सम्पत्ति का क्या भविष्य होगा ?

4. (*a*) Critically examine the law laid down by Supreme Court in # Hans Raj *Vs.* Rattan Chand. AIR 1967 SC 1780.

(*b*) Discuss whether the power of father in Hindu Joint Family to alienate Joint Family property including the interest of sons vest in official receiver ? 10+10=20

(*a*) हंस राज **बनाम** रतन चन्द (Hans Raj *Vs.* Rattan Chand), AIR 1967 SC 1780, में उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित विधि का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

(*b*) क्या संयुक्त हिन्दू कुटुम्ब में पिता को संयुक्त कुटुम्ब की सम्पत्ति को, जिसमें पुत्रों के हित शामिल हैं, अन्य-संक्रमित करने की शक्ति शासकीय रिसीवर में निहित होती है, विवेचना कीजिए।

5. What is an order of discharge ? What are the different kinds of orders which can be passed by Insolvency Court ? Can the court reject, without passing an order of discharge, the application filed by an insolvent for an order of discharge ? 20

उन्मुक्त करने का आदेश क्या है ? दिवाला न्यायालय के द्वारा पारित किये जा सकने वाले विभिन्न प्रकार के आदेश क्या हैं ? क्या न्यायालय बिना उन्मुक्त करने का आदेश पारित किये, दिवालिये द्वारा दाखिल आदेश को उन्मुक्त करने की याचिका को रद्द कर सकता है ?

6. (*i*) Discuss the provisions relating to acts of insolvency U/S-6 of PIA, 1920, where the property of the debtor is sold in execution of the decree of any court for the payment of money. Can a creditor being an insolvency petition against the debtor on this ground ?

(*ii*) An act of insolvency once committed cannot be explained or purged by subsequent events. The insolvent cannot claim to wipe it off by paying some of his creditors. Comment in light of # Yenumula Malludora V/s. Peruri Seetharathnam, AIR 1966 SC, 918.

(*i*) प्रान्तीय दिवालियापन अधिनियम, 1920 की धारा 6 के अन्तर्गत दिवालियेपन के कृत्यों से सम्बन्धित उपबन्धों की विवेचना कीजिए जहाँ कि देनदार की सम्पत्ति को न्यायालय की डिक्री के निष्पादन में पैसे के भुगतान के लिए बेचा जाता है। क्या लेनदार इस आधार पर देनदार के विरुद्ध दिवालियापन याचिका ला सकता है ?

(*ii*) दिवालियापन का कृत्य एक बार किये जाने के पश्चात् बाद में किये गये कृत्य से स्पष्ट या मिटाया नहीं जा सकता है। दिवालिया इसको कुछ लेनदारों का भुगतान करके मिटाने का दावा नहीं कर सकता। येनमुल्ला मालुदोरा **बनाम** पेरुरी सिथारत्नाम (Yenumula Malludora *Vs.* Peruri Seetharathnam), AIR 1966 SC, 918 के प्रकाश में टिप्पणी कीजिए।

7. (i) 'Ranbir' is a debtor against whom an insolvency petition is filled by Prem, a creditor. After the passing of order of adjudication Ranbir's mother Deepika leaves behind a will and Ranbir acquires certain properties under that will. Ranbir has still not obtained the order of discharge. Discuss the power of official receiver regarding the vesting of mere properties U/S-28(4) in light of judgement in # Kalachand Banerjee *Vs.* Jagannath Marwari, AIR 1927 D.C. 108.

(ii) Insolvents property also comprises certain capacity. Critically evaluate this provision in light of # Nageshwar Swami *Vs.* Vishwashwardev Rao, AIR 1953 SC 370.

10+10=20

(i) रनबीर एक देनदार है, जिसके विरुद्ध प्रेम, एक लेनदार ने एक दिवालियापन की याचिका दाखिल कर दी। न्यायनिर्णयन के आदेश के पारित होने के पश्चात् रनबीर की माँ दीपिका एक वसीयत छोड़ जाती है एवं रनबीर उस वसीयत के अन्तर्गत कुछ सम्पत्तियाँ प्राप्त करता है। रनबीर ने अभी तक उन्मुक्त का आदेश नहीं प्राप्त किया। कालाचन्द बनर्जी **बनाम** जगन्नाथ मारवाड़ी (Kalachand Banerjee *Vs.* Jagannath Marwari) AIR 1927 D.C. 108 के निर्णय के प्रकाश में शासकीय रिसीवर की धारा 28(4) में केवल सम्पत्ति के संदर्भ में निहित शक्ति की विवेचना कीजिए।

(ii) दिवालिया की सम्पत्ति कुछ क्षमताओं को भी समाहित करती है। इस प्रावधान का नागेश्वर स्वामी बनाम विश्वेश्वरदेव राव (Nageshwar Swami *Vs.* Vishwashwardev Rao) AIR 1953 SC 370 के प्रकाश में आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।

8. Write short notes on any *two* of the following : 10+10=20

(*a*) Can the act of an agent result in act of insolvency by his principal ? Cite the relevant case law.

(*b*) Conditions to be fulfilled by a creditor for filing an insolvency petition U/S-9.

(*c*) Can a debtor file an insolvency petition against himself, without committing an act of insolvency.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*a*) मालिक द्वारा दिवालियेपन के कृत्य में क्या एजेन्ट के व्यवहार का कोई परिणाम हो सकता है ? सुसंगत वादों को उद्धृत कीजिए।

(*b*) धारा 9 के अन्तर्गत दिवालियापन की याचिका दाखिल करने के लिए लेनदार द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें ?

(*c*) दिवालियापन का कृत्य किये बिना क्या एक देनदार खुद के विरुद्ध दिवालियापन की याचिका दाखिल कर सकता है ?